टीचर डेवलपमेन्ट को–ऑर्डिनेटर

हैण्डबुक

प्री - एलआईसी, अप्रैल'18–जून 18

टीचर डेवलपमेन्ट को–ऑर्डिनेटर का नाम

स्कूलः ज़ोन

प्री - लर्निंग इम्प्रूवमेन्ट साइकल

'बुनियाद'

प्यारे साथियों,

आप सभी को अपने विद्यालयों में टीडीसी प्रोग्राम की दूसरी एल आई सी सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए बहुत बहुत बधाई| आप लोगो ने अपने विद्यालयों में अकादमिक माहौल को बेहतर बनाने की जो मुहिम संभाली है और जो प्रयास किये हैं वे वाकई काबिले तारीफ हैं | आपने टी डी सी की अपनी यात्रा में पहली एल आई सी में बच्चों और शिक्षको के साथ कनेक्ट स्थापित कर, इस प्रोग्राम की नींव रखी| दूसरी एल आई सी में आपने कनेक्ट स्थापित करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए , बच्चो की समझ के आकलन पर काम किया और शिक्षण-अधिगम के अंतर को कम करने का प्रयास किया| आपके प्रयासों के कारण ही अब ए आर टी मीटिंग और 30 मिनट के सत्रों में अकादमिक चर्चा का माहौल बना है| इन्हीं प्रयासों को आगे बढाते हुए हमें अब कोशिश करनी हैं कि इन सत्रों में आपके द्वारा और आपके साथी शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा किये गए प्रयास कक्षा कक्षों तक जाए और हमारी प्रतिदिन की कक्षा गतिविधियों का हिस्सा बने| आप में से बहुत से साथियों ने इसके लिए पहले से ही प्रयत्न शुरू कर दिए हैं, इन्हीं प्रयत्नों से हमें सीखकर इन्हें और बेहतर बनाना है

जैसा की हम जानते हैं कि अगले आने वाले 3 महीनों में विद्यालय में हमारे साथी 'मिशन बुनियाद' के अंतर्गत, बच्चों के बुनियादी कौशल बेहतर करने का प्रयास कर रहे होंगे| इसका ध्यान रखते हुए अगले तीन महीनों में हम प्रयास करेंगे कि हम इस मिशन में अपना योगदान दे पाए और अपने विद्यालय में इसे सफलता पूर्वक संपन्न करने के लिए एक टीम की तरह कार्य कर पाए | इसमें आपके साथ, आपके एआरटी सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे होंगे | हमें यह बताते हुए अत्यंत ख़ुशी हो रही हैं की इसी मुहिम में आपके साथ आपके विद्यालय के प्राइमरी इंचार्ज भी आ रहे हैं | इस सत्र से विद्यालय में टी डी सी, प्राइमरी इंचार्ज. मेंटर टीचर और एच ओ एस साथ मिलकर विद्यालय के अकादमिक विकास पर काम काम करेंगे| इसी सत्र में हमारे बहुत से नए मेंटर शिक्षक/शिक्षिका भी हमारे साथ जुड़ रहे होंगे, जो आप के निरंतर सहयोग के लिए मई – जून से पूर्ण रूप से सक्रिय हो पाएंगे| इन्हीं सब बातों का ध्यान रखते हुए हम लोग अप्रैल से जून का समय नई एल आई सी शुरू करने के बजाय हम एक प्री – एल आई सी पर काम कर रहे होंगे जो गर्मियों की छुट्टी के पश्चात हमारी पूरी एल आई सी की एक नींव स्थापित कर रही होंगी | काफी नए साथियों के लिए ये एक नया अनुभव होगा तो उन्हें यह इस मुहिम में अपनी भागीदारी को स्थापित करने का समय भी देगा | अप्रैल से जून के महीने में हम इन बिन्दुओं पर मुख्यत: रूप से अपना ध्यान केन्द्रित करेंगे: -

(1) टी डी सी प्रोग्राम पर अपने नए साथियों के साथ मिलकर प्रोग्राम और अपनी भूमिका की साझा समझ बनाना |
(2) भाषा की बुनियाद पर अपने विद्यालय में साझा समझ बनाना और मिशन बुनियाद में अपनी भूमिका स्थापित करना |
(3) मिशन बुनियाद के इर्द –गिर्द अपनी कक्षाओं में गतिविधियों का अभ्यास करना और बाकी शिक्षक –शिक्षिकाओं के लिए सहायक भूमिका निभाना |

प्री – एलआईसी ए.आर. टी. मीटिंग

उद्देश्य : -

1. भाषा की बुनियाद पर अपने विद्यालय में साझा समझ बनाना और मिशन बुनियाद में अपनी भूमिका स्थापित करना |
2. बुनियाद के इर्द गिर्द कक्षा – कक्ष गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए प्लान बनाना |

सरल फेसिलिटेशन गाईड

मुख्य चरण	समय	चर्चा के क्षेत्र	टीडीसी का नोट
पहला चरण : स्वागत और प्रोग्राम का परिचय	10 मिनट	1.पहली एआरटी मीटिंग में अध्यापकों का स्वागत 2.पहली मीटिंग के बारे में संक्षिप्तीरण • मीटिंग की संरचना • मीटिंग के उद्देश्य 3.कम्युनिटी एग्रीमेन्ट 4.एनर्ज़ाइज़र– अगड़म, बगड़म, तिगड़म	
दूसरा चरण: सीख साझा करना, सहयोग करना और फीडबैक	35 मिनट	गतिविधि 1: केस स्टडी– **जानकी ने पढ़ना सीखा** । गतिविधि 2: भाषा अधिग्रहण पर विद्यालय में वर्तमान प्रयास।	
तीसरा चरण: अध्यापकों के पेशेवर व्यवहार और मानसिकता का अभ्यास	25 मिनट	गतिविधि 3: कहानी सुनाना, रोल प्ले और नाटक।	
चौथा चरण: एक्शन प्लान बनाना	15 मिनट	एक्शन प्लान बनाना – अपनी कक्षा या स्कूल में लागू करने के लिए क्लासरूम रणनीति चुनना।	
पाचवां चरण: समापन और अगले चरण	5 मिनट	समापन और रिमांइडर	

एआरटी मीटिंग 1 के लिए विस्तृत निर्देश

पहला चरण 10 मिनट	**स्वागत और प्रोग्राम का परिचय**
स्वागत	• अध्यापकों का प्री - लर्निंग इम्प्रूवमेन्ट साइकल में स्वागत करें जो 'भाषा की बुनियाद' पर हमारा परिचय कराएगी और 'मिशन बुनियाद में हमें अपनी भूमिका जानने में मदद करेगी । • अध्यापकों का आने के लिए धन्यवाद करें। खास तौर पर उन अध्यापकों को धन्यवाद दें जो समय पर आए हैं।
एजेंडा और	• मीटिंग के पांच चरणों का स्पष्टीकरण दें और मीटिंग के मुख्य चरण साझा करें। (सरल

मीटिंग के उद्‌देश्य	फेसिलिटेशन गाईड, पेज संख्या 3 का संदर्भ लें। आप चार्ट पेपर पर मीटिंग के विभिन्न चरणों के बारे में लिखकर कक्षा में टांग सकते हैं।) मीटिंग के उद्‌देश्य ● एकेडमिक रिसोर्स टीम का *बुनियाद पर आधारित* प्री लर्निंग इम्प्रूवमेन्ट साइकल में आधिकारिक स्वागत करना। ● अपने विद्यालय के बच्चों में 'भाषा की समझ' की समस्या पर चर्चा करना और उससे निकलने में अपना योगदान देखना
कम्युनिटी एग्रीमेंन्ट	● प्रतिभागियों से कहें ''उद्‌देश्यों को हासिल करने के लिए हम आपसी सहमति से कुछ नियम तय करेंगे, जिनका पालन मीटिंग के दौरान किया जाएगा। इन नियमों को कम्युनिटी एग्रीमेंट कहा जाएगा... ● मीटिंग के संचालन के लिए अगर ज़रूरी हो तो हम इन नियमों को अपडेट करते रहेंगे। ● कम्युनिटी एग्रीमेन्ट के पीछे मूल विचार हैः– प्रत्येक साथी मीटिंग के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी लेगा/ लेगी। प्रतिभागियों के व्यवहार को नियमित रखना। कम्युनिटी एग्रीमेन्ट के कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं: ✓ हर किसी का अपना नज़रिया होता है। सबके नज़रिए का सम्मान करें और विचार व्यक्त करने का मौका दें। ✓ विकास मानसिकता को अपनाने की कोशिश करें! नई चीज़ों को करने का प्रयास करें और गलतियों को अवसर के रूप में देखें। ऐसा करने से आपको नवाचार करने में मदद मिलेगी। ✓ ध्यान से सुनें। ✓ सक्रियता से हिस्सा लें। हो सके तो इस समय सैलफोन का इस्तेमाल न करें। ✓ अपने विचार रखें तथा उन पर रिफलेक्ट करें। नोटः मीटिंग शुरू करने से पहले इन बिंदुओं को चार्ट पेपर पर लिखें। इससे समय बचेगा। अध्यापकों से कहें कि इसे पढ़ें और ज़रूरत पड़ने पर इसमें कुछ बदलाव भी कर सकते हैं। जैसे नए बिंदु शामिल करना या कुछ बिंदुओं को हटाना।
एनर्जाइज़रः अगड़म, बगड़म, तिगड़म	● अपना खुद का एनर्जाइज़र बनाएं और इसे प्रतिभागियों के साथ करें या आप निम्न एनर्जाइज़र भी इस्तेमाल कर सकते हैं। ● फेसिलिटेटर को सुझावः– ऐसा एनर्ज़ाइज़र चुनें जिसमें 5 मिनट से भी कम समय लगे। जैसे एनज़ाईज़रः अगड़म, बगड़म, तिगड़म ● सभी साथी शिक्षक/ शिक्षिकाओं को एक गोले में ऐसे खड़े होने को कहें जहां से सभी एक दूसरे को देख सकें। ● उनसे कहें हम तीन शब्दों का प्रयाग कर एक खेल खेलने वाले हैं। (अगड़म, बगड़म और तिगड़म) और हर शब्द पर एक अलग एक्शन कर के दिखाना होगा। ● अगड़मः– ताली बजाना और दोनों हाथों से बाएं ओर वाले पड़ौसी की ओर इशारा करना ● बगड़मः– ताली बजाना और दोनों हाथों से दाएं और वाले पड़ौसी की ओर इशारा करना ● तिगड़मः– ताली बजना और दोनों हाथों से गोले में खड़े किसी भी साथी की ओर इशारा करना।

	• उदाहरण के तौर पर, पहली शिक्षक/ शिक्षिका, 'अगड़म' बोलकर शुरू करेंगे और फिर उस पर एक्शन करके दिखाएंगे जिसमें उन्हें ताली बजानी होगी। अपने दोनों हाथों से अपने बाएं ओर वाले शिक्षक/ शिक्षिका की ओर इशारा करना होगा। जिनकी ओर इशारा किया गया वो अब कोई भी शब्द बोलेंगे और उसी के अनुरूप एक्शन करेंगे। • खेल को मज़ेदार बनाने के लिए आप एक्शन्स करने की गति बढ़ा सकते हैं, आप स्वयं एक्शन्स को बदल सकते हैं। जैसे कि बजाय कूदने के हो सकता है जो लोग गलत एक्शन्स करते हैं या निर्धारित समय सीमा में एक्शन्स नहीं कर पाते उन्हें खेल से निकाल दें और अंत में किसी को विजेता घोषित कर सकते दें। • इस एनर्जाइज़र के शब्दों को बदलकर आप बच्चों को नए–नए शब्द भी सिखा सकते हैं। (जैसे अगड़म, बगड़म, तिगड़म की जगह 'जम्प, क्लैप, शाउट इत्यादि) - शिक्षक/ शिक्षिकाओं को याद दिलाएं कि नया सत्र शुरू हो रहा है, जैसा कि हम सभी जानते हैं। इस समय हमारे सभी विद्यालयों में एक मुख्य प्राथमिकता पर ज़ोर शोर से काम होने वाला है कि हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि हमारी कक्षाओं में बच्चों की भाषा और गणित की बुनियाद को कैसे पुख्ता कर सकते हैं? इसलिए इस प्री -एलआईसी का हमारा मुख्य उद्देश्य स्वयं की भाषा अधिग्रहण को लेकर समझ बेहतर करना हैं और अलग–अलग विषयों के शिक्षक/ शिक्षिका होते हुए भी हम कैसे मिशन बुनियाद मे अपना योगदान दे सकते हैं।

दूसरा चरण 35 मिनट	**सीख साझा करना, सहयोग करना और फीडबैक**
प्री - एलआईसी को समझना	• एआरटी को याद दिलाएं कि हम प्री एलआईसी की एआरटी मीटिंग में है। हमारी चर्चा मौजूदा मिशन बुनियाद पर आधारित होगी।
थीम का परिचय (भाषा **की बुनियाद) गतिविधि 1:** **केस स्टडी– जानकी ने पढ़ना सीखा**	अध्यापकों से कहें कि 4–5 के समूह बनाएं और अपने पोर्टफोलियो में दी गई केस स्टडी देखें। नीचे दिए गए बिंदुओं पर चर्चा करें: **केस स्टडी– जानकी ने पढ़ना सीखा** **जानकी** शायद कभी स्कूल गई थी, 7–8 साल पहले, कुछ समय के लिए। वह कई भाषाएँ बोल लेती है, हिंदी, नेपाली, बांगला। पढ़ना–लिखना नहीं जानती पर पढ़ने की बेहद ललक है। उससे जब पूछा गया...स्कूल क्यों छोड़ा.... उत्तर में उसका खिलखिलाने वाला चेहरा कहीं खो गया। आगे कुछ पूछने की गुंजाइश ही नहीं रही। बहरहाल....शुरू हुआ पढ़ने का सिलसिला बिना अक्षर–मात्रा, बारहखड़ी। मौखिक भाषा समृद्ध थी....इसलिए सीधे कहानियों से शुरू किया। जानकी अपने चारों ओर की मुद्रित सामग्री भरे माहौल के प्रति बेहद जागरूक थी। रोज़ हिंदी, अंग्रेजी के अखबार में नेपाल की खबरें ढूँढ़ना, पूरी निष्ठा से विज्ञापन पढ़ने की कोशिश करती। शाम को जब मैं घर वापस आती तो दिन भर की पढ़ी खबरें मुझे बताई जातीं, न समझ में आने वाले शब्दों पर निशान लगे होते। फिर उसे कहानी की छोटी–छोटी चित्रों वाली पुस्तक दी। उसने फ़ौरन पढ़ना शुरू किया। यकीन नहीं हुआ कि चित्रों व अक्षरों की आकृतियों की पूर्व छवियों का इस्तेमाल करते हुए

	जानकी ने पढ़ना शुरू कर दिया। कुछ अटककर, कुछ पूछकर उसने कहानी पढ़ ली। अनेक स्थानों पर चित्र देखकर अनुमान लगाया। पढ़ाते वक्त यह महसूस हुआ कि कहानी में आए शब्द और मात्रा सहित कुछ अक्षर अलग से लिख लिए जाएँ तो बेहतर रहेगा। एक मददगार संसाधन के रूप में उनका प्रयोग हो सकेगा। बार–बार मुझसे पूछने की जगह वह स्वयं पता लगाने के लिए ऐसा एक सहारा चाहती थी। लगा अक्षर, मात्रा को पूरी तरह खारिज़ न करें, सहायक सामग्री के रूप में रख लें। पढ़ने की ललक ने उसे इतना प्रेरित किया कि वह कहानी के शब्दों को अपने आस–पास जो भी मुद्रित सामग्री जैसे, अखबार, पत्रिकाएँ मिलतीं, उनमें ढूँढ़ती। गाने व टीवी देखने की शौकीन जानकी ने एक और तरीका ढूँढ़ा। उसने 'चित्रहार' टीवी कार्यक्रम नियमित देखना शुरू किया जहाँ गीत स्क्रीन पर लिखे हुए आते हैं। उसका पूरा ध्यान लिखे हुए शब्दों को गीत के शब्दों से जोड़ने में केंद्रित रहता। उसका छपी सामग्री का शब्द भंडार बढ़ने लगा। जानकी के पढ़ने में लगातार सुधार हो रहा है। शब्द आसानी से पहचान लेती है, अनुमान, अंदाज खूब लगा लेती है। *Children appear to learn much better in holistic situations that make sense to them rather than in a linear and additive way that often has no meaning. Rich and comprehensible input should constitute the site for acquisition of all the different skills of language.* NCF 2005 – 3.1.4, Pg 40 जानकी पढ़ रही है बिना वर्णमाला रटे... समझकर पढ़ रही है, सवाल पूछते हुए पढ़ रही है, कहानी पर अपनी राय देते हुए पढ़ रही है। देर से ही सही पढ़ने का सफ़र शुरू हो चुका है। 1- जानकी ने वर्णमाला/ बारह खड़ी का ज्ञान हुए बगैर ही पढ़ना सीखा। अपने समूहों में उन कारणों की चर्चा कीजिए जिन कारणों से यह मुमकिन हो पाया। (इन बिंदुओं पर खास ध्यान दिया जा सकता है क्योंकि ये आगे की चर्चा की नींव भी रखते हैं उसके खुद सीखने की और अपने आस पास के वातावरण से समझ बनाने की रूचि, मौखिक भाषा में समृद्ध होना, पढ़ने और लिखने को साथ लेकर चलना) 2- जानकी ने अपने पूर्व मौखिक ज्ञान को पढ़ने और लिखने में प्रयोग किया। क्या भाषा पढ़ने और बोलने में कोई रिश्ता है? चर्चा कीजिए। {नोटः– जहां एक ओर लिखना और बोलना अभिव्यक्ति के तरीके हैं (जिन्हें कई बार उत्पादी कौशल भी कहा जाता है, वहीं पढ़ना एक ग्राही कौशल है।) लेकिन दोनों को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।)} 3- पढ़ने से हम क्या समझते हैं? इस पर चर्चा कीजिए। (नोटः कुछ जवाब इसमें इस तरह हो सकते हैंः– • छपी हुई सामग्री को बोलकर बताना • अक्षरों की ध्वनि को जोड़कर शब्द, फिर वाक्य बनाना

- लिखी हुई बात को समझ पाना
- किसी भाषा की लिपी को पहचानना
- छपी सामग्री की विषय वस्तु से किसी अनुभव, जानकारी भावना, घटना आदि का याद आना
- तेज़ रफ्तार से अक्षर पहचान कर उन्हें जोड़ पाना
- छपी सामग्री से अक्षर पहचान कर उन्हें जोड़ पाना
- पढ़े हुए वाक्य के अंश के आधार पर बाकी वाक्य में आने वाले शब्द / शब्दों को भांप लेना

  इन सभी को मिलाकर एक साथ समझने से ही पढ़ने की सभी पहलों को समझा जा सकता है।

इस केस स्टडी को पढ़ने के बाद हम बोल—चाल की भाषा के महत्व को समझते है। जिस तरीके से हम पढ़ने की प्रक्रिया को देखते हैं वह आज तक देखे जाने वाले तरीकों से अलग है। यह इस पर भी बल देता है कि पढ़ने की प्रक्रिया केवल पुस्तक से वर्णमाला रटने तक सीमित नहीं बल्कि इस तथ्य पर भी निर्भर है कि एक पढ़ने वाले बच्चे के लिए पाठ कितना रूचिकर है, **यह उसके पृष्ठभूमि से कितना जुडा है** और वह उसे सीखने के लिए कितना इच्छुक है।

एक बार पढ़ने की अपनी समझ बनाने के पश्चात, हम भाषा अधिग्रहण करने के मुख्य तरीकों को समझ लेते हैं:—

डीकोडिंग तरीका:— यह तरीका भाषा की सबसे छोटी इकाई अक्षर की समझ से शुरू होता है। इसके अनुसार, बच्चों को शब्दों को टुकड़ों में बांटकर पहचानने फिर उसे **बोल** या पढ़ पाएं। वर्णमाला याद करना, उच्चारण या शब्द बोलना जैसी विधियां बहुत ही लोकप्रिय हैं जो इस तरीके पर काम करती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि पढाने का यह तरीका पारम्परिक दौर से ही प्रचलन में है या इस तरह से पढ़ाना हमें ज़्यादा सुविधाजनक लगता है।	**सम्पूर्ण** भाषा **तरीका:—** सम्पूर्ण भाषा तरीका इस बात पर केन्द्रित है कि भाषा अधिग्रहण में बच्चों के लिए एक वातावरण का निर्माण करना आवश्यक है जिसमें वे स्वयं को अभ्व्यिक्त कर सकें। इसमें पढ़ना, बोलना, लिखना और चित्र लेखन जैसे तरीकों के द्वारा बच्चें को अभिव्यक्ति का मौका दिया जाता है। यह बच्चों के संदर्भ में उनके जीवन से जुड़ी बातों को आधार बनाकर भाषा की बारीकियों को समझाने का प्रयास करता है। इसमें शिक्षक / शिक्षिका बच्चों को बहुत अधिक डायरेक्ट निर्देश देने से बचते हैं और उसके बजाए बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को फेसिलिटेट करते हैं।	**डिकोडिंग और संपूर्ण भाषा तरीके का मिश्रित तरीका** : -इस तरीके में जहां एक ओर बच्चों को अभिव्यक्ति के अधिक से अधिक अवसर दिए जाते हैं वही दूसरी ओर वर्ण माला से भी उनका परिचय कराया जाता हैं | मिशन बुनियाद में इसी तरीके का प्रयोग किया जा रहा हैं | जहां बच्चों को एक ओर कहानियों के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करने के, आपस में चर्चा करने के और पढने- लिखने के अवसर प्रदान किया जा रहे हैं. वही दूसरी ओर उनका परिचय बारह खडी से भी कराया जा रहा है।

<table>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td>गतिविधि 2
भाषा अधिग्रहण पर विद्यालय में वर्तमान प्रयास</td><td>इस सत्र की शुरूआत इस बात से करें कि चूंकि इस एलआईसी में हम भाषा के अधिग्रहण पर काम करने वाले हैं तो पहले यह समझना आवश्यक है कि हमरे विद्यालय के संदर्भ में यह समस्या किस स्तर पर मौजूद हैं और इससे उबरने में हमारा क्या योगदान हो सकता है। सत्र में मौजूद मिशन बुनियाद के तहत कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक, शिक्षिका और एचओएस का स्वागत करें और उनसे आग्रह करें इस संदर्भ में वे इन बिंदुओं पर 5–10 मिनट में संक्षिप्त तौर पर सभी को अवगत करा सकें:–
1. विद्यालय में नव एवं नव–निष्ठा रीडर्स की संख्या
2. अभी तक उनके साथ किस पद्धति पर काम हो रहा है? यहां पर यह उम्मीद है कि वे यह बता पाएं कि उनकी कक्षा पाठ्यक्रम बाकी कक्षाओं से कैसे अलग दिखता है।
3. आवश्यकतानुसार, किसी शिक्षक / शिक्षिका जो इन समूहों की कक्षाएं लेते हैं, वे भी अपना अनुभव साझा कर सकते हैं।

4. इस परिचय के बाद चर्चा कीजिये कि ए आर टी सदस्य और आप मिलकर कैसे मिशन बुनियाद को सफल बनाने में योगदान कर सकते हैं ?
इसके कुछ उदाहरण ये हो सकते हैं: -
• नव निष्ठा समूह के शिक्षक – शिक्षिका के साथ मिलकर कुछ कक्षाएं लेना (आवश्यकतानुसार)</td></tr>
</table>

	| खासकर उन बच्चों के साथ जिन्हें व्यक्तिगत ध्यान की आवश्यकता हैं. • स्वयं सेवी तौर पर मिशन बुनियाद में गर्मियों की छुट्टियों में अपना योगदान देना | • गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को विद्यालय भेजने एवं योगदान देने के लिए बच्चों के माता – पिता को प्रेरित करना | इसमें आप एस एम सी में मौजूद शिक्षक –शिक्षिका की भी सहायता ले सकते है | • रोजाना होने वाली 30 मिनट की अकादमिक चर्चा में मिशन बुनियाद पर ध्यान केन्द्रित कर ऐसी कक्षा कक्ष गतिविधियों को बढ़ावा दे सकते हैं जो इसे पूरा करने में सहायक हो | • रोजाना होने वाली 30 मिनट की अकादमिक चर्चा में इस बात पर चिंतन करना की सभी शिक्षक –शिक्षिका अपनी कक्षा में कैसे बच्चों को अधिक से अधिक अभिव्यक्ति और पढने, लिखने के मौके दे सकते हैं | • विद्यालय स्तर पर अपनी कक्षाओं में एक पढने का कोना स्थापित करना जहां बच्चों को बिना रोके टोके कहानियाँ पढने की आज़ादी हो | इसमें एच ओ एस बुनियाद में इस्तेमाल की गयी कहानियाँ और टाइम टेबल इंचार्ज की मदद ली जा सकती हैं | इस के लिए विद्यालय स्तर पर कुछ समय भी निर्धारित किया जा सकता है | चर्चा के बाद यह निर्धारित कीजिये कि प्रत्येक ए आर टी सदस्य की ओर से एक एक्शन स्टेप जिसके द्वारा वो इस मिशन में योगदान दे पाएंगे। उनसे कहें कि इसे अपने पोर्टफोलियो में गतिविधि 2 में दी गई जगह में नोट करे |

तीसरा चरण 25 मिनट	**अध्यापकों के पेशेवर व्यवहार और मानसिकता का अभ्यास**
सत्र का परिचय	भाषा की बुनियाद पर अपनी समझ को और बेहतर बनाते हुए हम इस सत्र में ' कहानी सुनाना, रोल प्ले और नाटक' पर चर्चा करेंगे।
गतिविधि 3:– कहानी सुनाना, रोल प्ले और नाटक	शिक्षक / शिक्षिकाओं को सन्दर्भ के अनुसार इनमे से एक वीडियो दिखाए:– https://www.youtube.com/watch?v=7WExuY1lHmU माध्यमिक गणित: कहानी सुनाना, रोल प्ले और नाटक https://www.youtube.com/watch?v=81tzx7V7UEU : - प्राथमिक गणित:– कहानी सुनाना, रोल प्ले और नाटक https://www.youtube.com/watch?v=Kl_nq-jHR5o&index=44&list=PLLjfVZ89nnNIDn_dPiumO1kamfpvSUUht : - प्राथमिक विज्ञान

	इस वीडियो को देखने के बाद शिक्षक/ शिक्षिकाओं से चर्चा कीजिए:– 1. क्या भाषा अधिग्रहण सिर्फ भाषा के शिक्षक/ शिक्षिकाओं तक सीमित है? *बोलना और सुनना, पढ़ना और लिखना सभी सामान्य कौशल हैं और उनमें बच्चों की दक्षता, स्कूल में उनकी सफलता को प्रभावित करती है। कई स्थितियों में इन सभी कौशलों को एक साथ उपयोग में लाने की ज़रूरत होती है। इसलिए स्कूल स्तर पर भाषा का शिक्षण सभी की चिंता का कारण होना चाहिए, न कि केवल भाषा शिक्षक का दायित्व। साथ ही, भाषा के साथ जुड़े कौशलों को केवल प्राथमिक स्तर पर ही नहीं छोड़ दिया जाना चाहिए, बल्कि जैसे–जैसे विषय में नयी आवश्यकताएँ पैदा हों उनको माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों तक ले जाना चाहिए।* **NCF 2005 -3.1.4, Pg 46.** 2. बाकी विषय के शिक्षक/ शिक्षिकाओं का इसमें क्या भूमिका हो सकती है? 3. वीडियो में ऐसे कौनसे अंश हैं जो बच्चों को भाषा अधिग्रहण में सहायता करते हैं। नोटः– यहां पर इन दो बिंदुओं पर मुख्य ज़ोर दिया जा सकता हैः– 1. किसी भी विषय वस्तु को समझने क लिए आवश्चक है कि जिस भाषा में यह विषयवस्तु लिखी गई है,बच्चे उसे पढ़ सकें। 2. भाषा अधिग्रहण के लिए कुछ मुख्य बिन्दु हैं:– अ. विषयवस्तु बच्चों के स्टैण्डर्ड से जुडी हो। ब. बच्चों को अभिव्यक्ति के अधिक से अधिक मौके मिल सकें। पाठ की विषयवस्तु के आकलन के लिए अलग–अलग तरीकों का प्रयोग करना। उदाहरण के तौर परः– रोल प्ले, कहानी कथन। स. जो बच्चे अभी पढ़ने के उस स्तर पर नहीं हैं जिसमें वे अभी कक्षा की विषय वस्तुत समझ सकें, उनके लिए अलग से वर्कशीट बनाना, आकलन के मौखिक तरीकों का या अन्य तरीकों का प्रयोग करना।

चौथा चरण **15 मिनट**	एक्शन प्लान बनाना
सत्र का परिचय	अब हम इस प्री एल आई सी को लेकर एक समझ बना चुके हैं और कुछ कक्षा कक्ष रणनीतियों पर चर्चा कर चुके है तो आइए एक्शन प्लान बनाएं कि कैसे इन रणनीतियों और कौशलों का इस्तेमाल करना चाहिए।
	• अध्यापकों को छोटे समूहों में बांटें। उनसे कहें कि अपने पोर्टफोलियो का पेज 7 देखें। उनसे कहें कि अगले 10 मिनट में दी गई रणनीतियों पर अपने समूह में चर्चा करें। • उन्हें कक्षा में लागू करने के लिए एक या दो रणनीतियां चुननी हैं। उनसे कहें कि हम गर्मियों की छुट्टी से पहले इसे अपने कक्षा कक्ष में प्रयोग करेंगे	इसके अलावा

गतिविधि 2 में खुद के लिए चुने गए या सोचे गए एक्शन प्लान को भी इसमें सम्मिलित करेंगे|

- अध्यापकों से कहें कि इस रणनीति को चुनने का कारण बताएं। उनसे कहें कि अगर ज़रूरत हो तो कक्षा की स्थिति/ आवश्यकता के अनुसार इसमें बदलाव ला सकते हैं।
- वे रणनीति के परिणामस्वरूप कक्षा में जिस बदलाव की उम्मीद रखते हैं, उसे पहचानें।
- अध्यापकों को पांच मिनट दें और पोर्टफोलियो पर पेज 8 देखने के लिए कहें। उन्हें गतिविधि में हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद दें।
- इस बात पर ज़ोर दें कि अध्यापकों को आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक टीम के रूप में काम करना है। उनसे कहें कि वे स्कूल में एक दूसरे के लिए अच्छा संसाधन हैं और एक साथ काम करके वे सुधार के लिए एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। एक दूसरे को प्रेरित कर सकते हैं।

नोटः अध्यापक मौजूदा थीम के आधार पर कक्षा के लिए कई रणनीतियां चुन सकते हैं। उन्हें याद दिलाएं कि हम रूकेंगे नहीं और छात्रों के साथ जुड़ने की कोशिश जारी रखेंगे, इसे अपनी कक्षा की प्रथाओं में शामिल करेंगे।

कक्षा के लिए सुझाई गई रणनीतियांः

- **रोज़मर्रा के क्रिया कलापों का इस्तेमाल**
- **कहानी सुनाना, रोल प्ल और नाटक**

Using day to day activities for reading(रोजमर्रा के क्रिया–कलापों का इस्तेमाल)

लिखित सामग्री को लेकर बच्चों में जागरूकता हो इसके लिए कक्षाओं के रोज़मर्रा के क्रिया–कलापों का इस्तेमाल भी लिखने–पढ़ने के लिए किया जा सकता है। अपनी कक्षा की नियमित गतिविधियों पर थोड़ा विचार कीजिए ताकि साक्षरता की दृष्टि से उसकी उपयोगिता को उजागर किया जा सके। इनका इस्तेमाल कक्षा में रोज़ाना किया जा सकता है। इससे बच्चों की यह समझ भी स्पष्ट होगी कि लिखित सामग्री हमारी रोज़मार्रा की जिंदगी से जुड़ी है। इसके साथ ही इन गतिविधियों को करते समय बच्चों का ध्यान पढ़ने लिखने की जो वास्तविक प्रक्रिया है उस ओर भी जाएगा। इसका उदाहरण हनमे ' **जानकी ने पढ़ना सीखा** ' की केस स्टडी में पढ़ा और जाना।

कहानी सुनाना/ रोल प्ले और नाटकः कक्षा में कहानी बच्चों के साथ ना सिर्फ जुड़ाव का काम करती है, अपितु उन्हें नई नई कल्पनाओं की उड़ान भ्रने का मौका भी प्रदान करती है।
कहानी/ रोल प्ले और नाटक का प्रयोग अलग अलग स्तर पर किया जा सकता है। लेकिन ये सभी कक्षा/ पाठन स्तर के बच्चों के साथ अलग अलग तरीकों से लागू की जा सकती हैं:–

- जो बच्चे अभी पढ़ने की प्रारंभिक अवस्था में हैं (नव रीडर, निष्ठा या प्राइमरी) उनके साथ चित्रों से भरपूर कहानियों को ज़ोर–ज़ोर से पढ़कर या समूहों में पढ़वाकर उस पर चर्चा की जा सकती है। कहानी के आधार पर उनकी समझ की जांच करने के लिए पिछली एलआईसी में प्रयोग की गई तकनीकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। (पीयर असेसमेन्ट, माइंड मैप, समूहों में चर्चा आदि) । बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उन्हें

	कहानी के उपर स्वतन्त्र लोन का भी मौका दिया जा सकता है। ● अपने विषयों में इनका प्रयोग आकलन की दृष्टि से भी किया जा सकता है। कहानी, रोल प्ले गणित, विज्ञान आदि जैसे विषयों में भी प्रयोग में लाई जा सकती हैं। इसके द्वारा आप बच्चों को इन विषयों को उनके परिवेश से जोड़न का मौका देते हैं। **नोटः–** जहां मौका मिले वहां कहानियों को पढ़ने का एक घंटा निर्धारित किया जा सकता है, जहां बहुत अधिक नुक्ताचीनी के बिना बच्चों को अपनी पसंद की कहानी पढ़ने/ सुनने/ सुनाने का मौका मिले, जिसे कहानी के घंटे का नाम दिया जा सकता है। इसके लिए कक्षा में स्थापित किए गए रीडिंग कॉर्नर का प्रयोग भी किया जा सकता है।

पांचवा चरण 5मिनट	**समापन और अगले चरण**
	● अध्यापकों से कहें कि अपने पोर्टफोलियो के अनुसार लागू/ इम्प्लीमेंट की जाने वाली योजना/ समयरेखा को निर्धारित कर लें। ● अध्यापकों को सुझाव दें कि एआरटी पोर्टफोलियो में एआरटी मीटिंग के बाद कक्षा की प्रथाओं पर सेल्फ रिफलेक्ट करें। ● अध्यापकों को सुझाव दें कि वे इन गतिविधियों का इस्तेमाल अपनी कक्षा में बच्चों के साथ भाषा पर बेहतर पकड़ बनाने के लिए कर सकते हैं। ● उन्हें बताएं कि आज हमने जो सीखा उसे हम अध्यापकों के साथ 30 मिनट के सत्र में भी जारी रखेंगे। ● मीटिंग को उर्जा और जोश के साथ समाप्त करें। ● अध्यापकों से कहें कि अपनी कक्षा से कोई कहानी/ सकारात्मक घटना या कविता साझा करें। मीटिंग को किसी कविता या छोटे एनर्ज़ाइज़र के साथ समाप्त करें।

स्वयं के लिए एक्शन प्लान

उद्देश्य	बच्चों को भाषा अधिग्रहण में आने वाली किस चुनौती को आप हल करने का प्रयास कर रहे हैं	इस चुनौती को हल करने के लिए चुनी गई कक्षा कक्ष गतिविधि	इस गतिविधि को लागू करने के बाद बच्चों में/कक्षा में/स्वयं में आप क्या परिवर्तन देखने की उम्मीद रखते हैं	गतिविधि की समय सीमा (समय निर्धारित प्लान)

स्वयं की कक्षा में बच्चों की भाषा अधिग्रहण की प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए				
मिशन बुनियाद के तहत विद्यालय में बच्चों के बुनियादी कौशल को बेहतर करने के लिए				

अनुलग्नक

इस चक्र की थीम पर विचार करें तो 30 मिनट के सत्र के लिए चर्चा के कुछ सुझाए गए बिंदु हैंः–

1- अगली कक्षा के अध्यापकों के साथ छात्रों के लर्निंग प्रोफाइल को साझा करना (अकादमिक स्तर के शुरूआत के महीने में खासतौर पर उपयोगी हो सकता है)। इसको लेकर 30 मिनट सेशन अवश्य करें जिसमें पिछले कक्षा के शिक्षक/ शिक्षिका ने साथ बच्चों की लर्निंग प्रोफाइल पर चर्चा कर सकें। ये प्रोफाइल सरल तौर पर इन बिंदुओं पर चर्चा कर सकती हैंः– /

- *बच्चे का नाम*
- *बच्चे का मजबूत पक्ष (विषय और कौशल दोनों)*
- *जिन बिंदुओं पर बच्चे को सहायता की आवश्यकता है (विषय और कौशल दोनों)*
- *घर की स्थिति और माता–पिता की बच्चों की पढ़ाई में रूचि*

2- मिशन बुनियाद पर शिक्षक– शिक्षिकाओं द्वारा कार्यशाला में सीखी गई रणनीतियों को बाकी शिक्षक– शिक्षिकाओं के साथ साझा करना

3- बच्चों के अभिभावक, मिशन बुनियाद में क्या भूमिका निभा सकते हें। इसको लेकर चर्चा करना एवं इसके लिए योजना बनाना

4- भाषा की बुनियाद को लेकर एआरटी सदस्यों द्वारा कक्षा में किए गए प्रयासों पर चर्चा करना।

5- विद्यालय के सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं बच्चों के भाषा अधिग्रहण को बेहतर करने में क्या भूमिका निभा सकते हैं।

6. चर्चा करें कि बच्चों के रीडिंग स्तर के बारे में समझ का आंकलन कैसे **किया जाए**? कक्षा में सुरक्षित एवं **भयरहित** वातावरण में इस बात पर ध्यान दिया जाएगा कि हम कैसे एक अध्यापक के रूप में स्कूल में **अपनी भाषा का प्रयोग** कर सकते हैं जिससे **इस वातावरण को बढ़ावा** मिले।

7- कक्षा विशिाष्ट चर्चाः इस तरह की चर्चा में अच्छी प्रथाओं, चुनौतियों, बच्चों के परफोर्मेन्स में सुधार या किसी विशेष छात्र में सुधार पर विचार–विमर्श किया जाएगा। इस चर्चा में आप बातचीत करेंगे कि आपकी कक्षा में कौन से विचार कारगर साबित हो रहें हैं और कौन से आइडिया ज़्यादा कारगर साबित नहीं हो रहे हैं।

8- बच्चों के रीडिंग स्तर में सुधार लाने **की रणनीतियों** पर चर्चा

नोटः इसके अलावा आप सभी से निवेदन है कि आप स्वयं भी ऐसी कुछ वीडियोज़, रीडिंग इत्यादि ढूंढें और उन्हें अपने साथियों के साथ व्हाट्सऐप ग्रप पर साझा करें जो कि इस साइकल की थीम से जुड़ी हो। प्रयास रहेगा कि समय समय पर सभी के साथ इन्हें साझा किया जा सके।